प्रेस विज्ञप्ति

हेवलॉक द्वीप से संकटग्रस्त यात्रियों की निकासी

1. भारतीय तटरक्षक पोत कनकलता बरूआ तथा राजवीर ने जोखिमपूर्ण अभियान के द्वारा प्रचंड समुद्री एवं तूफानी मौसम में बहादुरी के साथ हेवेलॉक द्वीप से बच्चों के अलावा 242 यात्रियों को बाहर निकाला । भारतीय तटरक्षक पोत, निकासी अभियान को अंजाम देने वाली सर्वप्रथम थी ।

2. 06 दिसंबर 16 को अंडमान निकोबार द्वीप के पश्चिम लगभग 160 नॉटिकल मील की दूरी पर बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व में निम्न दबाव का क्षेत्र बना । परिणाम स्वरूप तेज हवाएं चलने लगी, समुद्री परिस्थितियां उग्र हो गई और पोर्ट ब्लेयर एवं हेवेलॉक द्वीप के बीच का मार्ग पूरी तरह से अवरूद्ध हो गया । फलस्वरूप इन द्वीपों में पर्यटकों पर मुसीबत आ गई । 08 दिसंबर 16 को 0530 बजे से मौसम और खराब होकर चक्रवातीय तूफान चलने लगा, समुद्र की स्थिति बद से बदतर हो गई । अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के अनुरोध पर तटरक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय (अंडमान एवं निकोबार) तुरंत सक्रिय हुआ तथा 09 दिसंबर 16 की दोपहर में तटरक्षक पोत (भा.त.पो.) कनकलता बरूआ एवं राजवीर को पोर्ट ब्लेयर से रवाना किया गया । प्रतिकूल समुद्री परिस्थितियों का सामना करते हुए पोत ने हेवलॉक में सर्वप्रथम पहुँचकर संकटग्रस्त पर्यटकों को निकालने का कार्य तुरंत प्रारंभ किया ।

3. लगभग 1330 बजे पोत ने हेवेलॉक द्वीप से प्रस्थान किया तथा लगभग 1545 बजे पोर्ट ब्लेयर पहुँच गया । पर्यटकों को हद्दो जेट्टी पर उतारा गया तथा उन्हें आगे की यात्रा के कार्यक्रमों की देखभाल करने वाले अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के पदाधिकारियों को सौंप दिया गया ।

4. अंडमान एवं निकोबार प्रशासन से किसी भी प्रकार के अनुरोध पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए भारतीय तटरक्षक के पोतों एवं वायु यूनिटों को तैयार रखा गया ।

5. घोषणा पत्र में उद्धृत कर्त्तव्यों के निर्वहन के साथ-साथ भारतीय तटरक्षक संकटग्रस्त लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए वचनबद्ध है ।